https://archive.org/details/UndatedAliNiAartiDevnagari133D/page/n0/mode/1up

2010-12-27 Before -Ali ni Aarti (133)

All Items on https://archive.org/details/realpatidar

Full Library on https://realpatidar.com/library

ॐ

अलीनी अरजी

ॐ फर्मानजी बिस्मिल्ला हिर्रहमा निर्रहीम

या शाहअली, शेर अली, शाहदान अली, मरदान अली, पंजा अली, आखर अली, अव्वल अली, आगे अली, आधारे अली, ओधारे अली, अनायासे आवे अली, आचारे अली, ओछी नजरे भागे अली, अरजे अली, आभारे अली, अजीम अली, अजर टले त्यां आवे अली, अढारे अलीका वास, अढारे वर्णमां व्यापिक अली, कोईना जाणे अलीकी गली, आण चले त्यां आवे साफी अली, अक्षर अली, अम्मर अली, अहारे अली, आले अली, असीवे अली, वसीले थी जाअे अली, उम्मेदे अली, उजमे अली, केवलज्ञान कथे सो अली, खेवट अली, खबरदार अली, खभा ठोकीने तारे अली क्षमा करे त्यां आवे अली, बडाई थी नासे अली, अेक तो में अली, परवसे अली, क्रियोअे अली, कसणीअे अली, हसणी अेथी खशे अली, यतीमके पास आवे अली, अर्थ लोभकु धाअे अली त्यां नही आवे अली, आकारे अली, अलीका ज्ञान विचारो, आखर अली, अलीका भेद भमावे, आगे अली, अलीकी अरजी मांहे रेहवे अे घर अली, अलीका आशन बुझे तो सबू कुच्छ सुझे, बुझ पडे तो सब कुच्छ पावे, दुःख दारीद्र भागकर जावे, अम्मर जुठ नीकालकर देवे, साचकर बंदगी कीजीअे तो अम्मर खडा प्रेमे लीजीअे, सुखडा

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/UndatedAliNiAartiDevnagari133D/page/n1/mode/1up

Real Patidar Library

https://www.realpatidar.com/library

This book/literature/article/material may be used for research, teaching, and private study purposes. Any substantial or systematic reproduction, redistribution, reselling, loan, sub-licensing, systematic supply, or distribution in any form to anyone is expressly forbidden.

The library does not give any warranty express or implied or make any representation that the contents will be complete or accurate or up to date. The library shall not be liable for any loss, actions, claims, proceedings, demand, or costs or damages whatsoever or howsoever caused arising directly or indirectly in connection with or arising out of the use of this material.

Full terms and conditions of use: http://www.realpatidar.com

About Real Patidar books

Real Patidar's mission is to organize the information on Satpanth religion, which is a Nizari Ismaili sect of Shia branch of Islam, and to make it universally accessible and useful. Real Patidar Books helps readers discover the material on Satpanth online while helping authors and researchers in their studies. You can know more by visiting http://www.realpatidar.com

You can resize and move this box in any PDF Application like Adobe Acrobat Reader.

No specific pages. See whole book.
References by: RealPatidar.com

https://archive.org/details/UndatedAliNiAartiDevnagari133D/page/n2/mode/1up

realpatidar.com

ॐ

अलीनी अरजी

ॐ फर्मानजी बिस्मिल्ला हिर्रहमा निर्रहीम

या शाहअली, शेर अली, शाहदान अली, मरदान अली, पंजा अली, आखर अली, अव्वल अली, आगे अली, आधारे अली, ओधारे अली, अनायासे आवे अली, आचारे अली, ओछी नजरे भागे अली, अरजे अली, आभारे अली, अजीम अली, अजर टले त्यां आवे अली, अढारे अलीका वास, अढारे वर्णमां व्यापिक अली, कोईना जाणे अलीकी गली, आण चले त्यां आवे साफी अली, अक्षर अली, अम्मर अली, अहारे अली,आले अली, असीवे अली, वसीले थी जाओ अली, उम्मेदे अली, उजमे अली, केवलज्ञान कथे सो अली, खेवट अली, खबरदार अली, खभा ठोकीने तारे अली क्षमा करे त्यां आवे अली, बडाई थी नासे अली, अेक तो में अली, परवसे अली, क्रियोअे अली, कसणीअे अली, हसणी अेथी खशे अली, यतीमके पास आवे अली, अर्थ लोभकु धाअे अली त्यां नही आवे अली, आकारे अली, अलीका ज्ञान विचारो, आखर अली, अलीका भेद भमावे, आगे अली, अलीकी अरजी मांहे रेह्वे अे घर अली, अलीका आशन बुझे तो सबू कुच्छ सुझे, बुझ पडे तो सब कुच्छ पावे, दुःख दारीद्र भागकर जावे, अम्मर जुठ नीकालकर देवे, साचकर बंदगी कीजीअे तो अम्मर खडा प्रेमे लीजीअे, सुखडा

realpatidar.com

https://archive.org/details/UndatedAliNiAartiDevnagari133D/page/n3/mode/1up

realpatidar.com

होवे सब दुःख जावे, जो बुझे आशनही राह तो पावे अम्मर अलीशाह, पेहेली कीली हिकमतनी कीजीअे, अे अली अम्मर घरमां रहीजे, दुजी कीली दावा दूर अम्मर अलीका वर्षे नुर, त्रीजी कीली तन पाक साकी जो अली पासे रेहमत मागी, चोथी कीली अेके चंते, पांचमी कीली पांचे वातो, आश राखीने कीजे विन्नती, छट्ठीना कोल करारते पालो, सातमी कीली दर्शन ध्यान, जो अम्मर अलीका विचारो ज्ञान, जोईअे आशन अेक ईमान, आसन अम्मर कीजे वस, जो आशा राखे तो पासे छुं दुःख जावे, दारिद्र जावे, भूतका भितर भानु श्यतानका शिर उडांउ, वीरकुं खेदन करुं, मेलीकुं मलमुत्र में डालुं, चोकीकी चोकी में जाणुं, टुणा करे उसे उभा बालुं, बल्तारे हेवे अम्मर बल्ता, अम्मर जल्ता, अम्मर दोजख, अम्मर भोम, भेरवके आगे भात उठाउ, शीको तरीकु सांकल पीनाउ, कुलबला जल भसम होवे, सबकी अरजी अलीकी आण, संभारो अरजी सब दुःख भाजुं, संभारो अरजी न होवे जान, अरजी उपर लावो ध्यान, अरजी अली अेम बोल्या बयान, जीवतां अवतरीया ध्यान, संभारो अरजी अली अेक ईमान, ईमानसे आवे अलीका भेद पावे, अेक बार बांचे तो ईमान राखे, दो बार बांचे तो कुल दुःख भांजे, तीन बार बांचे तो कुल बला जाअे, निर्मल हृदय करो तो अम्मर थाअे, अरजी अमारी कस्टी तमारी, राखो जारी तो आवे अली मुरारी, झीतो अमरापुरी सारी, उसुडी बारी, दवा दूर करारी, ईकोतेरसो परीया तारीया, माया मोहने मारीया, पंच भुतने वारीया, करजो अलीनी यारी, करजो अलीनी उवारी, अली वली, अल्लाह साचा, अेक खुदा तुं, हक्क लाअेलाहा ईल्लिल्लाहो, महम्मदुर्र सुलिल्लाहे.

'संपुर्ण'

realpatidar.com